(ख) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बताये गये अनुसार उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के लिये मार्च और अप्रैल 77 के दौरान 98 और 125 रेकों की आवश्यकता की तुलना में क्रमशः 95.5 और 127.5 रेकों का आवंटन किया गया है। इस प्रकार आवश्यकता को पूरा कर दिया गया है।

(ग) जिलों की आवश्यकताएं राज्य सरकारों के द्वारा बताई जाती हैं जिसे रेलें पूरा करती है।

अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद

1232. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **विधि, न्याय और कम्पनी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद हो चुका है और कितनों का होना शेष है ;

(ख) इन अधिनियमों का अनुवाद करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है तथा क्या इस उद्देश्य के लिये यह व्यवस्था पर्याप्त है ; और

(ग) वर्तमान अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद कब तक पूरा करने की योजना है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भूषण) : (क) अभी तक 801 केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद किया जा चुका है। 81 अधिनियमों का अनुवाद करना बाकी है।

(ख) राजभाषा (विधायी) आयोग को 1 अक्टूबर, 1976 से समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद तैयार करने का कार्य विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के विधायी विभाग के राजभाषा खंड को सौंपा गया है। यह व्यवस्था पर्याप्त पाई गई है।

(ग) कार्य को यथाशीघ्र अद्यतन करने के लिये भरसक प्रयास किया जा रहा है।

कृत्रिम रबड़ की मांग और उत्पादन

1233. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कृत्रिम रबड़ का वार्षिक उत्पादन कितना है और वह देश की कुल मांग का कितने प्रतिशत है ; और

(ख) किन-किन स्थानों पर तथा कितनी कितनी मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध है और क्या इसका उत्पादन बढ़ाने के लिये कोई प्रयास किये जा रहे हैं और यदि हां, तो किस प्रकार।

पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन तथा खपत संबंधी आंकड़े वर्ष 1976-77 के (वास्तविक आंकड़े) और 1977-78 के (अनुमानित आंकड़े), संलग्न विवरण में दिये गये हैं।

(ख) देश में अब तक जिस एक मात्र संश्लिष्ट रबड़ का उत्पादन किया जा रहा था वह एस० बी० आर० टाइप रबड़ है और देश में नाइट्राइल रबड़ का उत्पादन अभी अभी आरम्भ किया गया है। पी० बी० आर० टाइप रबड़ के निर्माण हेतु एक संयंत्र का निर्माण किया जा रहा है। एस० बी० आर० टाइप के लिये अपेक्षित कच्चा माल अल्कोहल और बेंजिन हैं नाइट्राइल रबड़ के लिए एक्रीलोनीट्राइल और अल्कोहल तथा बेंजीन और पी बी आर टाइप रबड़ के लिये बूटाडीन अपेक्षित कच्चा माल है। देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन के के लिये, जिन वर्तमान आवश्यकताओं की आवश्यकता है उन में से केवल एक्रीलोनी-

ट्राइल का ही उत्पादन देश में नहीं हो रहा है और उसे आयातित किया जा रहा है। संश्लिष्ट रबड़ के निर्माण हेतु बेंजिन हिन्दुस्तान स्टील लि० के इस्पात संयंत्र से उपलब्ध की जा रही है और अल्कोहल उत्तर प्रदेश की विभिन्न आसवनियों से उपलब्ध किया जा रहा है।

विवरण

वर्ष	संश्लिष्ट रबर की खपत (मी० टन में)			संश्लिष्ट रबर का उत्पादन (एस० बी० आर० टाईप)	कुल खपत के लिए संश्लिष्ट रबर के उत्पादन का प्रतिशत
	एस० बी० आर० टाईप	अन्य टाईप	कुल		
1976–77	26,500	7,600	34,100	22,980	67.7
1977–78 (अनुमानित आकड़े)	28,000	8,000	36,000	26,000	72

प्लास्टिक के उत्पादन के लिये कच्चा माल

1234. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में प्लास्टिक के उत्पादन के लिए कच्चे माल की मांग और पूर्ति की वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ख) प्लास्टिक के उत्पादन के लिए किस कच्चे माल का उपयोग होता है और क्या सभी कच्चा माल देश में उपलब्ध है अथवा कोई वस्तु आयात की जाती है और यदि हां, तो किन देशों से आयात की जाती है तथा कितनी-कितनी मात्रा में आयात की जाती है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) और (ख) . प्लास्टिक के निर्माण हेतु, नेफ्था, अल्कोहल और कैल्शियम कार्बाइड प्रयोग होने वाले प्रमुख कच्चे माल हैं। इनकी पूर्ति तथा मांग से सम्बन्धित स्थिति संतोषजनक है और किसी प्रकार की कमी की रिपोर्ट नहीं मिली है। ये कच्चे माल देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

Value of Purchases made by Ministry

1235. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) value and details of purchases made or/and value of purchases contemplated by his Ministry during 25-6-75 to 25-3-77 from companies in which the son/sons and other family members of erstwhile Prime Minister Smt. Indira Gandhi had any interest; and

(b) details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b). In this connection, the answer given on 14-6-1977 by the Minister of Education, Social Welfare